कृपया प्रकाशनार्थ **2 सितंबर 2013**

वित्तिय अराजकता की ओर बढ रहा है देश - राम नाईक

मुंबई, सोमवार :''रोजमर्रा की चीजों के दामों में आए दिन हो रही भारी बढोत्तरी देश को वित्तिय अराजकता की ओर ले जा रही है. डॉलर - रुपैयो के की एक्स्चेंज दर अब रु. 68.83 तक गिर गया है, अप्रैल से जून 2013 तक का आर्थिक विकास दर याने जीडीपी भी केवल 4.4 प्रति शत याने पिछले चार वर्षों का न्यूनतम है. कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की आयात 70 प्रति शत से बढ कर 80 प्रति शत तक पहुँची है. और आंतरराष्ट्रीय बाजार में तो तेल की किमत में भी भारी वृद्धी हो रही है. ऐसे हालात में विरोधी दलों को विश्वास में लेने के बजाय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह इसके लिए भाजपा को दोषी ठहराने की कोशिश में लगे है. 'नाच न आवे आंगन तेढा' ऐसा यह रवैया है. यह काफी नही इसलिए शायद उनके चौथे पेट्रोलियम मंत्री श्री. विरप्पा मोईली ने और भी हद कर दी है. आयात कम करने के लिए वें रात को पेट्रोल पंप बंद करने की सोच रहे हैं. न जाने ये लोग कौनसी दुनिया में रहते है. क्या इससे आयात कम होगी यां फिर पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड होगी?'' ऐसी आलोचना भाजपा नेता व पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री.राम नाईक ने आज मुंबई में एक प्रेस विज्ञप्तीद्वारा की है.

जीवनावश्यक वस्तूओं के बढते दामों की जानकारी देनेवाली एक सूची ही श्री. नाईक ने इस समय दी, जिसमें भाजपा सरकार के कार्यकाल में मई 2004 में क्या दाम थे, कांग्रेस सरकार के पहले कार्यकाल के अंत में यांने अप्रैल 2009 में क्या दाम थे और अब दुसरे कार्यकाल में क्या दाम है इसकी जानकारी दी है. ''गेंहू का दाम 2004 में प्रतिकिलो रु. 9 से सितंबर 2013 में रु. 28 तक बढा (211 % वृद्धी), तो चावल रु. 10 से रु. 30 (200 % वृद्धी) हुआ है. डाल में तुरडाल रु. 30 से रु. 80 (167 % वृद्धी), मुगडाल रु. 24 से रु. 84 (250 % वृद्धी), मसुरडाल रु. 22 से रु. 80 (264 % वृद्धी), चनाडाल रु. 25 से रु. 56 (124 % वृद्धी) तो गूड रु. 14 से रु. 55 (293 % वृद्धी) तक बढे हैं. रोज की सब्जीयों के दाम इस प्रकार हैः- प्याज रु. 6 से रु. 70 (1067 % वृद्धी), आलू रु. 8 से रु. 22 (175 % वृद्धी) तो टमाटर रु. 9 से रु. 30 (233 % वृद्धी). इसके अलावा हर दिन लगनेवाले चीजों के दाम, चायपत्ती रु. 80 से रु. 300 (275 % वृद्धी), शक्कर रु. 14 से रु. 38 (171 % वृद्धी), तो दूध प्रति लिटर रु. 14 से रु. 44 (214 % वृद्धी) बढ गये है. पेट्रोलियम पदार्थों के दाम :- डिजल रु. 22.50 प्रतिलिटर से रु. 58.86 (162 % वृद्धी), पेट्रोल रु. 33.15 से रु. 81.57 (146 % वृद्धी) तो रसोई गैस के दाम रु. 244 प्रति सिलेंडर से बढ कर अनुदानित सिलेंडर रु. 448.50 (84 % वृद्धी) और विनाअनुदानीत सिलेंडर रु. 858 (252 % वृद्धी). साथ ही साथ पेट्रोलियम मंत्री श्री. विरप्पा मोईली ने प्रधानमंत्री को खत लिख कर और भी दामवृद्धी के संकेत दिए है. जिसमें पेट्रोल रु. 2, डिजल रु. 3 से 5 तक और गैस सिलेंडर में रु. 50 की वृद्धी होने की संभावना खत में जतायी है''.

..2..

''डॉलर-रुपैये एक्स्चेंज रेट दर में हुई गिरावट के कारण ही जरुरत की चीजों के दामों में भारी वृद्धी हुई है. डॉलर-रुपैया दर वर्ष 2004 में रु.45.10 था जो आज 53 प्रति शत गिरकर रु.68.83 हुआ है. यह ऐतिहासिक न्यूनतम दर है. चूँकी अपनी आयात की मात्रा निर्यात से कई अधिक है, इस गिरावट के कारण भारत की वित्त व्यवस्था को भारी नुकसान हो रहा है,'' ऐसा भी श्री. राम नाईक ने कहा.

''क्रूड ऑयल की आयात 70 प्रति शत से 80 प्रति शत तक पहुँची है. साथ ही साथ आंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेल के दामों में भारी वृद्धी हुई है. दुसरी ओर पिछले 10 वर्षों में पेट्रोलियम की नीति निर्धारीत न करने के कारण देश में क्रूड ऑयल तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन में वृद्धी नही हुई है. वाजपेयी सरकार ने वैकल्पिक इंधन के तौर पर इथेनॉल का इस्तेमाल के प्रयोग शुरु किया था वह भी कांग्रेस सरकार ने बंद किया है. इन सारी परिस्थितीओं के कारण दाम वृद्धी के दुष्ट चक्र की गति काफी तेज हुई है. कांग्रेस सरकार की वित्त नीति खोखली हुई है यह इससे स्पष्ट है. इसिलिए वित्तिय अराजकता की ओर तेजी से बढ रहे देश को बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने संघर्ष का ऐलान किया है, जनता हमारा साथ दें'', ऐसी अपील भी श्री. नाईक ने अंत में की है.

(कार्यालय मंत्री)

संलग्न: दाम वृद्धी की सूची

1 सितंबर 2013

भारतीय जनता पार्टी, मुंबई

जीवनावश्यक वस्तुओं के मुंबई में बढ़ते दाम

(संकलक : श्री.राम नाईक, श्री.गिरीधर साळुंके)

वस्तू	भाजपा शासन में दाम (प्रति किलो रु.) मई 2004	पहले कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) अप्रैल 2009	दूसरे कांग्रेस शासन में दाम (प्रति किलो रु.) 1 सितंबर 2013	2004 की तुलना में वृध्दि (प्रतिशत) %
गेंहू	9	20	28	211%
चावल	10	22	30	200%
शक्कर	14	23	38	171%
चाय पावडर	80	190	300	275%
तेल	40(प्रति लिटर)	70(प्रति लिटर)	78(प्रति लिटर)	95%
डालडा	40	60	80	100%
तूर डाल	30	100	80	167%
मूंग दाल	24	54	84	250%
मसूर दाल	22	60	80	264%
चना दाल	25	36	56	124%
गुड़	14	32	55	293%
बेसन	20	48	60	200%
आलू	8	14	22	175%
प्याज	6	16	70	1067%
टमाटर	9	16	30	233%
दूध	14 (प्रति लिटर)	28(प्रति लिटर)	44(प्रति लिटर)	214%
मिट्टी का तेल	18 (प्रति लिटर)	25 (प्रति लिटर)	50(प्रति लिटर)	178%
रसोई गैस	244 (प्रति सिलेंडर)	312(प्रति सिलेंडर)	448.50(प्रतिसिलेंडर) * 858 (प्रतिसिलेंडर) **विनाअनुदान**	84% 252%
पेट्रौल	33.15 (प्रति लिटर)	44.60(प्रति लिटर)	81.57(प्रति लिटर)	146%
डिजल	22.50 (प्रति लिटर)	34.50(प्रति लिटर)	58.86 (प्रति लिटर)	162%
सीएनजी	19.71(प्रति किलो)	24.65(प्रति किलो)	35.95(प्रति किलो)	82%
डॉलर $1	**रु. 45.10**	रु. 50.05	**रु. 68.83**	**53%**

विशेष :

1. 2012-2013 का 'सकल घरेलु उत्पाद' (जीडीपी) 5 प्रतिशत रहेगा ऐसी घोषणा केंद्र सरकार के सांख्यिकी संगठन ने की है, यह जीडीपी दर गत 10 वर्षो में सबसे कम है और अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी हैं. अप्रैल से जून 2013 तक का त्रैमासिक जीडीपी मात्र 4.4 प्रतिशत याने पिछले चार वर्षों का न्यूनतम दर है.

2.इस के अतिरिक्त डालर रुपैया का विनिमय दर 2004 में रु. 45.10 था, वह अब रु. 68.83 याने 53 प्रतिशत बढ़ा है. विगत 53 महिनों का यह नीचांक है. इस का मतलब है कि आयात में हमें 26 प्रतिशत अधिक किमत देनी पड़ रही हैं. इस समय हमारी निर्यात से आयात अधिक होने के कारण रुपए के अवमूल्यन से देश को भारी नुकसान हो रहा हैं.

3. क्रूड ऑयल की आयात 70 प्रति शत से 80 प्रति शत तक बढी है, साथ ही साथ आंतरराष्ट्रीय बाजार में भी क्रूड ऑयल के दाम काफी बढ गये है, जिसके कारण दामवृद्धी के दुष्ट चक्र की गति काफी तेज हुअी है.